प्रमुख घटनाएं और उपलब्धियां

(सितम्बर, 2016)

*****

1. 5-9 सितंबर, 2016 के दौरान भारतीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के नेतृत्व में एक चार सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने कोलम्बो, श्रीलंका में आयोजित दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय समिति (आरसी) के 69वें सत्र में भाग लिया। क्षेत्रीय समिति की बैठक में, स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। दिनांक 5 और 6 सितंबर, 2016 को (i) गैर-संक्रामक रोगों (ii) स्थायी विकास के लक्ष्यों एवं स्वास्थ्य के विश्वव्यापी विस्तार के बारे में मंत्री स्तर की दो गोलमेज चर्चाएं भी आयोजित की गईं।

2. सरकारी राजपत्र में राजपत्र अधिसूचना सं. जीएसआर 897 (ई) दिनांक 21.09.2016 प्रकाशित की गई जिसमें औषधि एवं प्रसाधन नियमावली, 1945 की अनुसूची डीI तथा अनुसूची डीII में संशोधन किया गया है।

3. शैक्षणिक सत्र 2016-17 के लिए 7 नए मेडिकल कालेजों (कुल सीटें 1050) की स्थापना करने तथा मौजूदा 2 मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की 100 सीटें बढ़ाने के लिए अनुमति-पत्र जारी किया गया। 12 मेडिकल कालेजों को मान्यता देने के लिए भी अनुमति पत्र जारी किया गया।

4. शैक्षणिक सत्र 2016-17 (700 सीटों) के लिए मौजूदा 7 मेडिकल कालेजों के लिए अनुमति का नवीनीकरण पत्र जारी किया गया।

5. वर्ष 2016-17 के लिए विभिन्न लाभार्थी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों/ सरकारी विभागों के लिए 236 एमबीबीएस तथा 38 बीडीएस केंद्रीय पूल सीटों के आबंटन हेतु आदेश जारी किए जा चुके हैं।

6. नाको आचार नीति समिति की 12वीं बैठक 23 सितंबर, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक के दौरान, तीन अनुसंधान प्रोटोकॉलों, जिनमें रोगी प्रबंधन के लिए न्यूट्रास्यूटिकल विषयक क्षेत्रों, एसटीआई गोनोकोक्कल एंटीमाइक्रोबायल कार्यक्रम तथा एचआईवी परामर्श एव परीक्षण सेवाओं को सम्मिलित किया गया था, की समीक्षा करके सिफारिश की गई।

7. राष्ट्रीय जीव-विज्ञान संस्थान द्वारा एनआईपीईआर, मोहाली के 31 फार्मेसी स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए 22 अगस्त, 2016 से 09 सितम्बर, 2016 तक जैविक गुणवत्ता नियंत्रण पर एक राष्ट्रीय कौशल विकास एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

8. राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 2016-17 के दौरान सितंबर, 2016 में मोतियाबिंद के लगभग 3.39 लाख ऑपरेशन किए गए, स्कूली बच्चों को लगभग 14,061 चश्मे नि:शुल्क वितरित किए गए तथा दान की गईं लगभग 3,783 आखों को एकत्रित किया गया।

9. राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम राज्य/जिला स्वास्थ्य सोसायटियों के माध्यम से विकेंद्रीयकृत ढंग से कार्यान्वित किया जा रहा है। मोतियाबिंद के मामलों की पहचान करने के लिए ग्रामीण स्तर पर गैर-सरकारी संगठनों, पंचायतों तथा आशाकर्मियों को शामिल करते हुए जिला स्वास्थ्य अधिकारियों की सीधी निगरानी के तहत नेत्र परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

******